कक्षा - 10 विषय: हिन्दी

समय : तीन घंटे 15 मिनट पूर्णांक: 70

निर्देश : (क) प्रारम्भ के 15 मिनट प्रश्न पढ़ने के लिए निर्धारित है ।

1 (क) निम्नलिखित कृतियों में से किन्हीं दो के लेखकों के नाम लिखिए-

(i) बाणभट्ट की आत्मकथा
(ii) पंचपात्र
(iii) आवारा मसीहा
(iv) सेवासदन

(ख) निम्नलिखित कथनों में से कोई एक कथन सही है, उसे पहचान कर लिखिए:

(i) ‘मैला आंचल’ के लेखक फणीश्वरनाथ रेणु हैं ।
(ii) 'इन्द्रजाल' जयशंकर प्रसाद का नाटक है ।
(iii) 'ठूठा आम’ के लेखक जयप्रकाश भारती हैं ।
(iv) 'कनुप्रिया' धर्मवीर भारती का प्रसिद्ध उपन्यास है ।

(ग) हिन्दी गद्य की किन्हीं दो विधाओं का नामोल्लेख कीजिए।

(घ) शुल्क युग के दो प्रमुख कहानियों के नाम लिखिए।

(ड.) 'सरस्वती' पत्रिका के किसी एक संपादक का नाम लिखिए।

2 (क) छायावाद युग की किन्हीं दो प्रमुख प्रवृतियों का उल्लेख कीजिए ।

(ख) रीतिकाल के दो प्रमुख कवियों के नाम लिखिए।

(ग) निम्नलिखित रचनाओं में से किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए-

(i) आँगन के पार द्वार
(ii) उर्वशी
(iii) कला और बूढ़ा चाँद
(iv) युगांत

3- निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिये गए प्रश्नों के नाम दीजिए-

(क) कुसंग का ज्वर सबसे भयानक होता है । यह केवल जीति और सदवृति का ही नाश नहीं करता, वल्कि बुद्धि का भी क्षय करता है । किसी युवापुरुष की संगति यदि बुरी होगी, तो वह उसके पैरों में बंधी चक्की के समान होगी, जो से निरन्तर अवनति के गड्ढे में गिराती जायेगी और यदि अच्छी होगी तो सहारा देने वाली बाहु के समान होगी, जो उसे निरन्तर उन्नति की और उठाती जायेगी।

(i) उपर्युक्त गद्याश का सन्दर्भ लिखिए
(ii) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए ।
(iii) कुसंग के ज्वर को भयानक क्यों कहा गया है ।

अथवा

चिन्ता को लोग चिता कहते है। जिसे किसी पचण्ड चिन्ता ने पकड़ लिया है, उस बेचारे की जिन्दगी ही खराब हो जाती है। किन्तु ईर्ष्या शायद चिन्ता से भी बदतर चीज है, क्योंकि वह मनुष्य के मौलिक गुणों को
ही कुंठित बना डालती है । मृत्यु शायद फिर भी श्रेष्ठ है, बनिस्बत इसके कि हमें अपने गुणों को कुंठित बनाकर जीना पड़े । चिन्ता दग्ध-व्यक्ति समाज की दया का मात्र है किन्तु ईर्ष्या से जलाभुना व्यक्ति जहर की एक
चलती फिरती गठरी के समान है, जो हर जगह वायु को दूषित करती फिरती है ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) चिन्ता को लोग चिता क्यों कहते हैं।

4 - निम्नलिखित पद्याशों में से किसी एक की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए तथा काव्य- सौन्दर्यं भी लिखिए:

उधौ मन न भए दस बीस
एक हुतो सो गयो श्याम संग, कौ अवराधै ईस
इन्दी सिथिल भई केसव बिनु, ज्यों देही बिनु सीस ।
आसा लागि रहति तन स्वामा, जीवहीं कोटि बरिम ।
तुम तो सखा स्यामा सुन्दर के, सकल जंग के ईस ।
सूर हमारे नंद नंदन बिनु, और नहीं जगदीस । ।

अथवा

टूटी है तेरी कब समाधि
झंझा लौटे शत हार-हार
बह चला दृगों से किन्तु नीर
सुनकर जलते कण की पुकार
सुख से विरक्त दुख में समान ।

5 (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय दीजिए एवं उसकी एक रचना लिखिए:

(i) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
(ii) डा. राजेन्द्र प्रसाद
(iii) रामधारी सिह 'दिनकर'

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कबि का जीवन परिचय दीजिए और उसकी एक रचना लिखिए:

(i) रसखान
(ii) महादेवी वर्मा
(iii) त्रिलोचन

6 निम्नलिखित का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए:

तदा स ग्रामीण: बिहस्य स्वप्रहेलिकाया: सम्यकृ उत्तरम अवदत् "पत्रम' इति । यतो हि इदं पदेन विनापि दूर याति, अक्षरै: युक्तमपि न पण्डित: भवति । एतस्थिन्मेव काले तस्य ग्रामीणस्य ग्राम: आगत:। स विहसन् रेलयानात् अवतीर्य स्वग्राम प्रति अचलत् । नागरिक: लज्जित: भूत्वा पूर्ववत, तृषगीम अरिजित ।

अथवा

नितरां नीचीऽस्मीति त्वं खेदंकूप । कदापि मा कृथा: ।
अत्यन्तसरसहदयो यत: परेषा गुणग्रहीतासि । ।

7 (क) अपनी पाठ्यपुस्तक से कपठस्य किया गया कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न पत्र में न आया हो।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए:

(i) नीचसंगेन का वर्धते?
(ii) पदेन बिना कि दूरं याति?
(iii) वाराणसी किमर्थ प्रसिद्धा?
(iv) गीताया: का सन्देश:?

8 (क) हास्य अथवा करुण रस की परिभाषा लिखकर उसका एक उदाहरण दीजिए।

(ख) उपमा अथवा उत्प्रेक्षा अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित दीजिए।

(ग) सोरठा अथवा रोला छन्द का लक्षण उदाहरण सहित लिखिए।

9 (क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं तीन के मेल से एक-एक शब्द बनाइए:

(i) निर,
(ii) अनु
(iii) आ
(iv) उप
(v) अधि

(vi) परि

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रत्ययों का प्रयोग कर एक-एक शब्द बनाइए:

(i) आई
(ii) त्य
(iii) हट
(iv) ता
(v) वट

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो में समास विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए :

(i) शुभकर्म
(ii) महात्मा
(iii) जल-थल
(iv) देवालय

(ध) निम्न लिखित में से किन्ही दो के तत्सम रूप लिखिए:

(i) पाख
(ii) धीरज
(iii) पाथर
(iv) सीख

(ड.) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए :

(i) वृक्ष
(ii) पहाड़
(iii) माता
(iv) नदी

10 (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो में सन्धि कीजिए तथा सन्धि का नाम लिखिए

(i) ऌ+आकृति
(ii) मत+ऐक्यम्
(iii) तदा + एव
(iv) गुरु - आदेश:

(ख) निम्नलिखित शब्दों के रूप सप्तमी विभक्ति एकवचन में लिखिए :

(i) मति अथवा नदी
(ii) तद अथवा युष्मद

(ग) निम्नलिखित में से किसी एक की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन का उल्लेख-कीजिए:

(i) पेठ:
(ii) हसत
(iii) पचेताम
(iv) द्रक्ष्याम:

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो का संस्कृत में अनुनाद कीजिए:

(i) पेड़ से पत्ते गिरते हैं ।
(ii) अपना कर्त्तव्य शीघ्र करो।
(ii) मार्ग के दोनों ओर भवन थे ।
(iv) प्रयाग में गंगा यमुना का संगम है ।

11 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए:

(i) जल प्रदुषण का मानव जीवन पर प्रभाव
(ii) विज्ञान और मानव जीवन
(iii) भ्रस्टाचार : सामाजिक बुराई
(iv) शिक्षा में खेलकूद का मन
(v) कफ्यूटर : आधुनिक यन्त्र मानव

12 विद्यार्थी अपने निर्धारित खण्डकाव्य के प्रश्नों के उत्तर लिखे:-

(i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के पंचम सर्ग की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।
(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर भरत के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए।